

डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 21, डेविड, बाथशेबा, अबशालोम,

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

खैर, सुप्रभात। मसीह की शांति आपके साथ हो। और मसीह की शांति उन लोगों के साथ हो जो यहाँ नहीं हैं।

क्या आप अपने भाई-बहनों की देखभाल कर रहे हैं? क्लास कहाँ है? हाँ। जब आप आगे बैठते हैं तो अच्छा लगता है, आपको नहीं पता कि आपके पीछे कौन गायब है। सभी तरह के अजीब चेहरे जिन्हें हमने लंबे समय से नहीं देखा है, अगले बुधवार को दिखाई देंगे।

लेकिन किसी भी हालत में, आने के लिए धन्यवाद। उन लोगों के लिए भाईचारे और बहन की तरह चिंता प्रकट करें जिन्हें आप जानते हैं कि उन्हें यहाँ होना चाहिए। मैं कभी-कभी छोटे-छोटे अनुस्मारक ईमेल भेजता हूँ, लेकिन आपका एक शब्द मेरे एक शब्द से कहीं ज़्यादा काम करता है।

यह बस होता है। तो, किसी भी हालत में, हम यहाँ हैं। आज शुक्रवार है।

यह भी एक शानदार खबर है। परीक्षा के बारे में घोषणाएँ यहाँ हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे उनमें से किसी को दोहराने की ज़रूरत है, क्योंकि मैं सोच रहा हूँ।

कृपया ब्लैकबोर्ड पर मौजूद सामग्री का लाभ उठाएँ। वहाँ नामों की एक सूची है। और आप जानते हैं, एक बार जब हम इतिहास में पहुँच जाते हैं, तो आप कुछ नहीं कर सकते।

अगर आप किसी भी घटना को समझना चाहते हैं तो आपको कुछ नाम जानने की ज़रूरत है। और उनमें से कई नाम ऐसे हैं जो आपको रोज़ाना नहीं मिलते। उदाहरण के लिए, आपके कितने दोस्तों का नाम अहीतोपेल है? आप जानते हैं, यह उन यादगार नामों में से एक नहीं है।

क्या आपका कोई दोस्त है जिसका नाम अहीतोपेल है? ठीक है। वैसे भी। तो, आपको उनके साथ काम करने में थोड़ा समय बिताना होगा।

मैंने पहले भी कहा है कि नामों की सूची लेना और उन्हें फ्लैशकार्ड पर लिखना अक्सर अच्छा होता है। उन्हें फ्लैशकार्ड पर लिखने की प्रक्रिया आपके लिए एक अच्छी सीखने की प्रक्रिया होगी, और फिर, निश्चित रूप से, आप उन्हें अपने साथ ले जा सकते हैं और उन्हें सीख भी सकते हैं।

तो मैं आपको इस तरह की चीज़ें करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। साथ ही, आने वाले पेपर की संभावना को भी नज़रअंदाज़ न करें। मैं शायद अगले हफ़्ते इसके बारे में और बताऊँगा।

हमें गाने की ज़रूरत है। हमें इस विशेष भजन को गाने की ज़रूरत क्यों है... खैर, क्या आप जानते हैं कि हमें आज इस विशेष भजन को क्यों गाने की ज़रूरत है? भजन 51 में, क्या आप जानते हैं कि भजन का शीर्षक उस भजन के बारे में क्या कहता है? हम सोमवार को भजनों का अध्ययन करने जा रहे हैं, इसलिए हम सोमवार को थोड़ी देर बाद इस पर और अधिक चर्चा करेंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भजन का शीर्षक इस विशेष भजन के बारे में कम से कम लेखक को दिए गए पारंपरिक असाइनमेंट और जिन परिस्थितियों या परिस्थितियों में इसे लिखा गया था, उनके संदर्भ में क्या कहता है? हाँ, केट।

सही है। यह दाऊद का पश्चाताप और स्वीकारोक्ति का भजन है, या शायद स्वीकारोक्ति और पश्चाताप, नाथन द्वारा उसे बाथशेबा और उरीया के पाप और उस सब के लिए चुनौती देने के बाद, जिसका हम आज अध्ययन कर रहे हैं। इसलिए यह एक उपयुक्त भजन है जिसे हम आज अपनी कक्षा शुरू करते समय गा सकते हैं।

इसलिए, मैं इस भजन को गाते समय माइक्रोफोन बंद कर दूँगा, या कम से कम इसका यह भाग, क्योंकि हम प्रार्थना में एक साथ अपना समय शुरू करते हैं। दयालु परमेश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, हम स्वीकार करते हैं कि दाऊद के साथ-साथ हमें भी अपने लिए इन्हीं शब्दों की प्रार्थना करनी चाहिए। और इसलिए, हम आज सुबह आपके सामने आते समय आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे अंदर शुद्ध हृदय उत्पन्न करें, कि आप हमें पुनर्स्थापित करें, प्रभु, हमें नया बनाएँ।

हम स्वीकार करते हैं कि हम हर दिन आपको नाराज़ करते रहे हैं। इसलिए, हम आपसे पुनःस्थापना की प्रार्थना करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमसे अपनी पवित्र आत्मा न छीनें, बल्कि हमें अपने उद्धार का आनंद पुनः प्रदान करें।

और पिता, जब हम अपने लिए यह प्रार्थना करते हैं, तो हम दूसरों की ओर से भी यही प्रार्थना करते हैं, जिनके बारे में हम जानते हैं कि वे किसी भी समस्या से जूझ रहे हैं। पिता, जो थके हुए हैं, बीमार हैं, निराश हैं, उन्हें अपने गले लगाइए। उन्हें अपनी बाहों में भरिए और उन्हें उठाइए, हम प्रार्थना करते हैं।

हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप हमें अपने करीब ले आएं, ताकि हम आपके लिए अपने दिलों में प्यार से जीवंत और गर्म हो सकें। पिता, हम आपकी देखभाल, आपकी सुरक्षा, आपकी कोमल दया के लिए आभारी हैं। और इसलिए, जब हम ये चीजें मांगते हैं, तो हम ध्यान रखते हैं कि आप ब्रह्मांड के स्वामी हैं, और हम उन्हें हमारे उद्धारकर्ता मसीह के नाम पर मांगते हैं।

आमीन। खैर, आज हम आगे बढ़ेंगे और डेविड की कहानी को लगभग पूरा कर लेंगे, जो एक दिन में करना बहुत बड़ी बात है। लेकिन चलिए शुरू करते हैं।

आइए देखें कि हम इसे संभाल पाते हैं या नहीं। जैसा कि मैंने पिछली बार कहा था, शाऊल के मरने के बाद, राज्य वास्तव में एक खंडहर में बदल गया है। यह उद्धारण चिह्नों में राज्य हो सकता है क्योंकि लोग भाग गए हैं, पलिशतियों ने आक्रमण किया है, शाऊल और उसके बेटे, दूसरे शब्दों

में, पूरा शासक परिवार लगभग खत्म हो गया है, केवल उस एक बेटे मपीबोशेत को छोड़कर जिसके बारे में हम अभी कुछ ही देर में बात करने जा रहे हैं।

दाऊद को केवल यहूदा के गोत्र द्वारा ही एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पहचाना जाता है जो उनके लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है, और वह अभी भी पलिशियों की तरफ है। इसलिए, इस समय चीजें अव्यवस्थित हैं। लेकिन जब हम 2 शमूएल के अंत तक पहुँचते हैं, तो हम एक संयुक्त राज्य देखेंगे, हालाँकि दिलचस्प बात यह है कि यह एकजुट होगा, और फिर यह थोड़ा सा विखंडित होने लगेगा।

अगर आपने आज की सामग्री पढ़ी है, तो आप जानते होंगे कि दुर्भाग्य से, जब तक हम डेविड के जीवन के अंत तक पहुँचते हैं, तब तक कुछ टूटन हो चुकी होती है। ऐसा करने से पहले, हमें इस समय बाइबिल के पाठ में जो कुछ आप पढ़ रहे हैं, उसके बारे में थोड़ी बात करनी चाहिए। क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, इतिहास की पुस्तकों, 1 और 2 इतिहास में जो कुछ है, वह 1 और 2 शमूएल और 1 और 2 राजाओं के साथ काफी हद तक ओवरलैप होने वाला है।

इसलिए हम थोड़ा सा परिप्रेक्ष्य चाहते हैं। साहित्यिक शब्द जानबूझकर रखा गया है। यह कोई सूखा इतिहास नहीं है।

आप जानते हैं, एक अजीब धारणा है कि जब हम बाइबल पढ़ने बैठते हैं तो हम कमर कस लेते हैं और कहते हैं, मैं बाइबल पढ़ने जा रहा हूँ। और यह हिस्सा शुष्क इतिहास होता है जबकि दूसरा हिस्सा शुष्क टोरा होता है, है न? ऐसा नहीं है। यह अद्भुत साहित्य है।

यह वास्तव में है, खासकर सैमुअल की सामग्री। ऐसी कहानियों के बारे में बात करें जो हमारे दिलों को आकर्षित करती हैं और हमें इन लोगों के चेहरों में खुद को फिर से देखने के लिए मजबूर करती हैं जिन्हें हम देख रहे हैं। तो, आप जानते हैं, अपने रंगीन कांच के चश्मे को उतार दें और इसे साहित्य के एक शानदार टुकड़े के रूप में पहचानें, जो ईश्वरीय प्रेरणा से प्रेरित है।

इतना कहने के बाद, यहाँ कुछ बातें बतायी गयी हैं। 1 और 2 शमूएल, 1 और 2 राजा वे कहानियाँ हैं जो थोड़ी अधिक, हम कैसे कहें, भावनात्मक, व्यक्तिगत पीड़ा के साथ आ रही हैं। उदाहरण के लिए, हम डेविड के जीवन के गंदे पहलुओं को देखते हैं।

और आज आपने 2 शमूएल को पढ़ते हुए इसे देखा। 2 शमूएल में बतशेबा और उरीया के बारे में जो कुछ आपने पढ़ा, वह इतिहास की कहानी में नहीं दिखता। यह शमूएल में दिखता है।

सैमुअल और किंग्स, एक बार राज्य विभाजित हो जाता है, जिसके बारे में हम अपनी अगली परीक्षा के बाद बात करेंगे, ऐसा लगता है कि किंग्स ग्रंथों में सामग्री इस उत्तरी राज्य पर केंद्रित है, वे जनजातियाँ जो संघ से अलग हो गई हैं, अगर आप चाहें तो। दूसरी ओर, इतिहास बाद में लिखे गए थे, और यह जो काम कर रहा है, उनमें से एक है। वास्तव में, यह कई महत्वपूर्ण काम कर रहा है जिन्हें हमें ध्यान में रखना चाहिए। वंशावली स्थापित करना, जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, इज़राइल का इतिहास दे रहा है।

आप जानते हैं, हम वंशावली में जाते हैं, और सोचते हैं, हे भगवान, यह कब खत्म होगा? और हम आगे बढ़ते हैं और उन्हें सरसरी तौर पर देखते हैं। उनमें बहुत सारी रोचक चीजें हैं। हमने उत्पत्ति में वंशावली देखकर पहले ही यह देख लिया है।

लेकिन इतिहास का संबंध इस लंबी, अखंड परंपरा को स्थापित करने से है कि ये ईश्वर के लोग हैं। ठीक है, वंशावली प्रथम इतिहास की शुरुआत में यही करती है और यह बहुत महत्वपूर्ण बात है, खासकर इसलिए क्योंकि यह वहां की कुछ प्रमुख जनजातियों पर ध्यान केंद्रित करती है। दूसरी बात जो यह करने जा रही है वह है दाऊद राजवंश की छवि को बढ़ाना।

यह डेविड का राजवंश है जो दक्षिणी राज्य में जारी है। फिर से, हम एक या डेढ़ सप्ताह में राज्य में विभाजन देखने जा रहे हैं। एक बार जब ऐसा हो जाएगा, तो यह दक्षिणी राज्य होगा जहाँ डेविड का राजवंश, उसके उत्तराधिकारी, शासन करना जारी रखेंगे।

और जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, उस राजवंश के सकारात्मक पहलुओं पर ज़ोर दिया गया है। नकारात्मक पहलुओं को कम करके आंका गया है, खासकर जब हम डेविड और सोलोमन के जीवन के बारे में बात कर रहे हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है।

तीसरी बात जिस पर इतिहास वास्तव में ध्यान केंद्रित करेगा, पहला और दूसरा इतिहास, राजा की सामग्री की तुलना में बहुत अधिक हद तक, वह है मंदिर, मंदिर के कर्मचारी, और लेवियों और पुजारियों का महत्व, क्योंकि ये कथाएँ जारी रहती हैं। तो, उन पर ध्यान दें। जैसा कि मैंने कहा, मुझे लगता है, बुधवार को, शमूएल राजा की सामग्री और इतिहास के बीच काफी हद तक ओवरलैप है।

कुछ मामलों में, आप वास्तव में शब्द-दर-शब्द समानताएँ पढ़ने जा रहे हैं, लेकिन फिर कुछ जगहें ऐसी होंगी जहाँ वे अलग-अलग दिशाओं में चले जाएँगे, और यहीं से चीज़ें वाकई दिलचस्प हो जाती हैं। तो यह साहित्यिक स्रोतों पर हमारा नोट है - बस एक त्वरित नोट यह समीक्षा करने के लिए कि हम इस बिंदु पर कहाँ हैं।

फिर से, एक बहुत ही योजनाबद्ध, सरलीकृत कालक्रम। हमने लगभग 2100 ईसा पूर्व में अब्राहम से शुरुआत की। हम अब अब्राहम और मसीह के बीच की समय अवधि के लगभग आधे रास्ते पर हैं, अगर हम इन व्यापक सहस्राब्दियों में सोचने जा रहे हैं, 1,000 साल प्लस 1,000 साल, है ना? इस विशेष बिंदु पर हम कहाँ हैं, इसका विवरण, हमने अब जोशुआ, विजय के साथ निपटाया है।

हमारे पास न्यायाधीशों का काल था। पिछली बार हमने एली और शमूएल के माध्यम से काम किया और शाऊल को सिंहासन पर स्थापित किया और फिर शाऊल की मृत्यु तक पहुँच गए। तो यहाँ हम डेविड पर हैं, और अगली बार, परीक्षा के बाद, मुझे कहना चाहिए, भगवान की इच्छा से, अगले सप्ताह, हम सुलैमान और सुलैमान के राज्य में प्रवेश से निपटेंगे।

तो यह हमारी विस्तृत जानकारी है। फिर से, 1400 विजय के लिए था या 1220 के लिए, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने पलायन के लिए पहले की तारीख ली थी या बाद की। और

मुझे यकीन है कि आप वाकई खुश हैं कि पूरी इकाई खत्म हो गई है, है न? कुछ और बातें हैं जिन पर हमें परिचय के तौर पर चर्चा करनी चाहिए।

यहाँ से शुरू होता है, ठीक है, यह शुरू नहीं होता है। आप पहले ही कई नामों से परिचित हो चुके हैं जो महत्वपूर्ण हैं। लेकिन विशेष रूप से जब हम इन कथाओं में जाते हैं, तो बहुत सारे नाम सामने आते हैं।

और अब जबकि शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच कुछ तनाव है, तो हम शाऊल के पक्ष में सबसे महत्वपूर्ण लोगों को चिन्हित करना चाहते हैं। शाऊल की मृत्यु हो चुकी है। जोनाथन के पोते और बेटे ईशबोशेत को छोड़कर उसके सभी बेटे मर चुके हैं।

कुछ महत्वपूर्ण लोग हैं जिनके बारे में हमें अभी भी जानना है। ईश- बोशेत कौन है ? मैं यह भी नहीं बता सकता। ईश- बोशेत कौन है ? दिलचस्प बात यह है कि उसके नाम का मतलब है शर्मीला आदमी।

लेकिन वह क्या करता है? 2 शमूएल के इन पहले दो अध्यायों में हम उसे कहाँ देखते हैं? कोई जानता है कि वह कौन है और क्या करता है? सारा। हाँ, वह बचे हुए साम्राज्य के राजा के रूप में स्थापित होने जा रहा है, अगर आप चाहें तो, साम्राज्य के, मुझे साम्राज्य भी नहीं कहना चाहिए, शाऊल का राज्य। तो, बेटों में से एक ने पदभार संभाला।

दुर्भाग्य से, वह खुद को कुछ लोगों द्वारा हत्या करवा लेगा, जो सोचते हैं कि वे डेविड पर एहसान कर रहे हैं, हालाँकि वे वास्तव में ऐसा नहीं कर रहे हैं। अब्रर शाऊल की सेना का कमांडिंग ऑफिसर या जनरल है। और, बेशक, हम उसे 2 शमूएल के पहले दो अध्यायों में शक्तिशाली संघर्ष में देखेंगे जब तक कि वह अपने अंत तक नहीं पहुँच जाता।

वह कैसे मरता है? अबनेर का क्या होता है? हाँ, क्रिस्टन। तुम अबशालोम के बारे में सोच रहे हो, जो एक पेड़ में फंस जाता है, और यह सच है। ये सभी A, समस्या का एक हिस्सा हैं।

ऐसा लगता है कि इनमें से आधे नाम A से शुरू होते हैं। और बाकी 48% J से शुरू होते हैं, और फिर आपको बाकी नामों का पता लगाना होगा। हाँ, चेल्सी। हाँ, एन्नर की भी हत्या कर दी जाती है, है न, योआब नाम के एक आदमी द्वारा।

हाँ, क्या तुम यही कहना चाह रही थी, जिंजर? ठीक है, और फिर तीसरा, मैंने मपीबोशेत का ज़िक्र कई बार किया है। वह जोनाथन का बेटा है, जिसकी नर्स उसे शाऊल और उसके बेटों की मौत के बाद इस उथल-पुथल भरे समय में छोड़ देती है, जब राज्य बिखर रहा होता है। वह भाग रही है, और वह उसे गिरा देती है, इसलिए वह अपने पैरों से लंगड़ा हो जाता है।

और जैसा कि आप जानते हैं, दाऊद जोनाथन के साथ वाचा के कारण जोनाथन के परिवार के लिए वास्तव में प्रावधान करेगा। ये तीन ऐसे लोग हैं जिन्हें आप शाऊल के पक्ष में जानना चाहते हैं। जैसा कि शाऊल परिवार नीचे चला गया है, हमारे पास अभी भी ये महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।

डेविड की तरफ से, हमारे पास कुछ और भी हैं जिन पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है, और हो सकता है कि अन्य भी हों, लेकिन ये मुख्य हैं। योआब, मुझे लगता है कि मैंने कुछ क्षण पहले उसका उल्लेख किया था। योआब डेविड का कमांडिंग ऑफिसर है, डेविड की सेना में जनरल है।

क्या वह एक अच्छा आदमी है? क्या आप योआब को अपना सबसे अच्छा दोस्त बनाना चाहेंगे? खैर, शायद आप ऐसा चाहें, क्योंकि वह क्रूर है। वह वास्तव में क्रूर है, और वह षडयंत्रकारी है, और वह कुछ भी करने को तैयार है, शायद खुद को बचाने के लिए। उसने ही अब्रैर की हत्या की, और हालाँकि वह दाऊद से कहता है, क्या तुम नहीं जानते कि अब्रैर शायद यहाँ कुछ खतरनाक, विश्वासघाती काम करने के लिए आया था, शायद योआब एक कमांडिंग अधिकारी के रूप में अपनी स्थिति की रक्षा कर रहा था।

तो, हम उसे इन सभी कथाओं में देखेंगे, कभी-कभी बहुत बुद्धिमान, और बहुत चतुर, और बहुत चालाक, लेकिन हमेशा काफी क्रूर भी, दुर्भाग्य से। अम्नोन और तामार के बारे में क्या ख्याल है? यह घिनौना आख्यान किस बारे में है? किसी को याद है? हाँ, तुम कोशिश करना चाहते हो, तुम खुद को छुड़ाना चाहते हो? अम्नोन और तामार भाई-बहन हैं, और- और मैं वास्तव में आपको उस बिंदु पर एक छोटा सा सुधार करने जा रहा हूँ। ठीक है, तो शायद मुझे नहीं पता।

नहीं, आप करते हैं, आप करते हैं, आप वास्तव में करते हैं, लेकिन चलो उन्हें सौतेला भाई और बहन कहते हैं। वे अलग-अलग माता-पिता हैं, अलग-अलग माताएँ हैं। ठीक है, तो वे संबंधित हैं। हाँ, वे संबंधित हैं।

और वह तामार का बलात्कार करता है, और हाँ, बस इतना ही। ठीक है, और यह अबशालोम है, है न, जो तामार का पूरा भाई है क्योंकि उनकी माँ एक ही है। और इसलिए अबशालोम ही वह व्यक्ति होगा जो अपनी बहन तामार के सम्मान का बदला लेगा, जिसे अम्नोन ने पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है, जिसने उसे ले जाकर उसका बलात्कार किया है।

और हम थोड़ी देर में उस कथा के कुछ निहितार्थों के बारे में और साथ ही अबशालोम की अन्य गतिविधियों के बारे में भी थोड़ा और बताएंगे। चूँकि इस पुस्तक के मध्य में अबशालोम का काफी उच्च प्रोफ़ाइल है, इसलिए हम इस पर थोड़ा नज़र डालने जा रहे हैं। बतशेबा और उरीया, खैर, आप सभी यह जानते हैं क्योंकि बतशेबा ही वह है जिसे दाऊद ले जाता है।

ध्यान दें कि डेविड के पारिवारिक जीवन में एक तरह की कहानी चल रही है जिसमें कुछ गंदे पहलू भी हैं। डेविड बाथशेबा का उल्लंघन करेगा, और वह उरीया की हत्या करेगा, ताकि वह इसे छिपाने के लिए उरीया की हत्या की व्यवस्था कर सके। खैर, यहाँ दो ऐसे हैं जो शायद सबसे कम जाने जाते हैं, अहीतोपेल और हूशै।

बहुत बढ़िया लोग हैं। वे कौन हैं? खैर, कम से कम उनमें से एक तो है। मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि पहला वाला है।

पहला वाला एक तरह से डरावना है। क्या आप जानते हैं कि ये पात्र कौन हैं? सारा, आगे बढ़ो। हाँ, वे सलाहकार हैं, है न? और वे कथा में कहाँ आते हैं? हम थोड़ी देर बाद विवरण देंगे।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि वे किसके पक्ष में हैं? ऐसा लगता है कि डेविड उन्हें शाऊल के लोगों से बात करने के लिए भेजता है। ठीक है, शाऊल के बाद के बारे में सोचो। हमने शाऊल को और शाऊल के लोगों को घटनास्थल से हटा दिया, वास्तव में।

लेकिन अबशालोम के साथ यह एक गड़बड़ है, क्योंकि अबशालोम ने दाऊद के खिलाफ सैन्य विद्रोह किया और मूल रूप से राज्य पर कब्जा करने की कोशिश की। और अहीतोपेल और हूशै यहाँ बहुत ही दिलचस्प तरीके से सामने आने वाले हैं। अगर आप चाहें तो उन्हें जासूस और प्रति-जासूस के रूप में सोचें।

वे खुफिया तंत्र का हिस्सा हैं। खास तौर पर, हुशई अबशालोम की तरफ होने का दिखावा करने जा रहा है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। लेकिन हम थोड़ी देर में उनके पास वापस आएंगे।

और फिर अंत में, नाथन और गाद, उनका शीर्षक क्या है? p से शुरू होता है। वे भविष्यवक्ता हैं, है न? वे भविष्यवक्ता हैं। तो हम उनके बारे में भी बात करेंगे। ये वे लोग हैं जिन्हें आपको जानना चाहिए।

आपको खुद ही नाम तय करने शुरू कर देने चाहिए। क्या आपके पास उनके बारे में कोई सवाल है? हाँ, जिंजर? उरीया कौन है? उरीया बाथशेबा का पति है। और यही वह है जिसे दाऊद मरवाने की योजना बनाता है क्योंकि उसने बाथशेबा के साथ कुछ ऐसा किया है जो उरीया को बाथशेबा के साथ करना चाहिए था।

उस कहानी के बारे में बाद में और बताऊँगा। क्या आपको मेरा यह कहना पसंद आया? बहुत नाजुक नहीं, है न? ठीक है। कोई और सवाल? हाँ, रेबेका।

हुशै किसकी तरफ होने का दिखावा करता है? आह। हुशै अबशालोम की तरफ होने का दिखावा करने जा रहा है, लेकिन वह वास्तव में दाऊद की तरफ है। लेकिन हम इसके विवरण पर थोड़ी देर बाद वापस आएंगे।

खैर, चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं। थोड़ा दाऊद के बारे में और दाऊद वास्तव में कैसा है, इस बारे में। हम उसे बार-बार प्रभु की खोज करते हुए देखते हैं।

पिछली बार जब हम दाऊद के चरित्र और शाऊल के चरित्र के बीच अंतर के बारे में बात कर रहे थे, तब हमने इस बारे में थोड़ी चर्चा की थी। और मैं इस पर थोड़ा और विस्तार करना चाहता हूँ। यहाँ तक कि जब वह शाऊल से भाग रहा है, तब भी 1 शमूएल में, खास तौर पर अध्याय 23 में, मुझे कहाँ जाना चाहिए? क्या मुझे कैला के पास जाना चाहिए? और परमेश्वर इसमें उसकी मदद करेगा।

इसी तरह, 2 शमूएल में, जब वह पूछ रहा है कि, उदाहरण के लिए, पलिशियों से कैसे निपटना है। खुद को राजा के रूप में स्थापित करने के लिए कहाँ जाना है? और प्रभु कहते हैं, हेब्रोन, या हेब्रोन। परमेश्वर उसे ये उत्तर देता है।

हाँ, ट्रेवर। हाँ। जब वह प्रभु की सलाह मांग रहा होता है, तो वह कई बार उल्लेख करता है कि वह तड़प और उथल-पुथल का उपयोग करता है।

लेकिन कभी-कभी, जैसे कि मेरे पाठ में, यह बस इतना ही कहता है, जैसे, प्रभु ने दाऊद से बात की। हाँ, सवाल, यह एक बढ़िया सवाल है। ऐसा लगता है कि वह उरीम और तुम्मीम का इस्तेमाल कर रहा है।

और वैसे, यह स्पष्ट रूप से नहीं कहता है, और उसने उरीम और तुम्मीम को बाहर निकाला और उनका इस्तेमाल किया। लेकिन वे एपोद का हिस्सा थे, छाती के कवच का हिस्सा थे, एपोद का हिस्सा थे। उसके पास एपोद भी है क्योंकि अबियाथर उसे उसके पास लाया था।

तो, निष्कर्ष यह है कि वह शायद इन उरीम और तुम्मीम का उपयोग कर रहा है, जो निर्णय लेने के साधन थे। हम यह बात निर्गमन 28 से जानते हैं। अब, आपके प्रश्न के उत्तर में, यह पूरी तरह से निश्चित नहीं है कि उन्होंने कैसे काम किया।

कुछ लोगों को लगता है कि उन्होंने उसी तरह काम किया जैसे कि लॉटरी निकलती है, आप लॉटरी डालते हैं और वे यह, वह या दूसरी चीज़ लेकर आते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि अक्सर, जैसा कि आपने देखा है, ये उत्तर हाँ या नहीं के उत्तर नहीं होते हैं। वे प्रभु के शब्द हैं।

और इसलिए, इस पूरे मामले पर कम से कम एक सिद्धांत यह है कि जब इस पर परामर्श किया जाता है तो वास्तव में भगवान की ओर से एक दैवीय संदेश होता है जो इसका स्पष्ट उत्तर देता है। लेकिन फिर, यह कैसे काम करता है, मुझे नहीं पता। तो आपको लगता है कि हर बार जब वह भगवान से किसी तरह का उत्तर चाहता है, तो वह उन उपकरणों का उपयोग करता है? मैं सुझाव दे रहा हूँ कि यह एक संभावना है।

सवाल यह है कि क्या दाऊद हर बार इनका इस्तेमाल करता है? मुझे लगता है कि अगर ये मौजूद हैं तो वह मूर्ख होगा। और फिर, मैं यह अनुमान लगा रहा हूँ कि जब अबियाथर एपोद लाता है, तो उसके पास उरीम और तुम्मीम भी होते हैं। यही अनुमान मैं लगा रहा हूँ।

और दाऊद, अगर वह प्रभु की खोज करने के लिए चिंतित है, तो वह निश्चित रूप से उन साधनों का उपयोग करने जा रहा है जिन्हें वह ऐसा करने का मार्ग जानता है। लेकिन फिर से, यह एक अनुमान से अधिक है। यह उस बिंदु पर एक धारणा है।

हाँ, रेबेका। मैं बस उलझन में था। क्या ये उपकरण पुजारी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली चीज़ें नहीं हैं? लेकिन फिर डेविड अगर उनका इस्तेमाल करता है तो वह पुजारी नहीं है। खैर, हाँ, यह एक बढ़िया सवाल है।

क्या ये वे चीजें नहीं हैं जिनका इस्तेमाल महायाजक को करना चाहिए? दाऊद इनका इस्तेमाल क्यों कर रहा है? मैं आपको इसके दो जवाब दूंगा। शायद वह अबियातार के ज़रिए जा रहा है। मैं सुझाव दे रहा हूँ कि शायद इसका पारंपरिक रूढ़िवादी जवाब यही है।

हालांकि, ऐसे लोग भी हैं जो सुझाव देते हैं कि डेविड खुद ही पुजारी की भूमिका निभाएंगे। और ऐसे कई अन्य स्थान हैं जहां हमें इस तरह के संकेत मिलते हैं। और मैं आज थोड़ी देर में उन पर बात करूंगा।

और यह आपको बहुत चौंकाने वाला लग सकता है जब तक कि आप रुककर एक पल के लिए न सोचें। दाऊद दाऊद के बेटे का पिता है, जो खुद को, यीशु को, दूसरे शब्दों में, अंतिम राजा और पुजारी बनाने जा रहा है। और फिर हमारे पास वह दिलचस्प भजन 110 है, जो इस बारे में बात करता है, मैं तुम्हें मलिकिसिदक के क्रम के अनुसार हमेशा के लिए पुजारी बनाऊंगा।

और इसलिए, भजन 10 में यह व्यक्ति राजा और पुजारी दोनों है। कुछ लोग सुझाव देते हैं कि दाऊद, जब वह राजा बनता है, तो वास्तव में उन दोनों भूमिकाओं को एक साथ खींचता है। और इसलिए वह पुजारी और राजा के रूप में कार्य कर रहा है, जो अन्यथा, भूमिकाएँ पूरी तरह से अलग रखी जाती हैं।

बस एक सुझाव। बस एक सुझाव। और आज हम दो अन्य घटनाओं के बारे में बात करने जा रहे हैं जो हमें उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

वैसे, जिस व्यक्ति ने यह सुझाव दिया है, वह यूजीन मेरिल है, अगर आप कभी उसे देखना चाहें। लेकिन हमें आगे बढ़ना होगा। डेविड भी ईश्वर के दिल के मुताबिक व्यक्ति है।

यह बात पाठ में ही कही गई है। हमने इसे 1 शमूएल 13 में देखा है। भजन संहिता में भी यह बात बार-बार आती है।

और यहाँ तक कि प्रेरितों के काम की पुस्तक में भी, हमें दाऊद के बारे में एक संदर्भ मिलता है, जो परमेश्वर के हृदय के अनुसार एक व्यक्ति था। इसका मतलब यह नहीं है कि वह परिपूर्ण है। और वास्तव में, हम अक्सर खुद को उसकी कई कमियों में देखते हैं।

लेकिन वह पश्चाताप करना जानता है। उसकी विनम्रता हमेशा सबसे ऊपर, सबसे आगे और सबसे महत्वपूर्ण होती है। और मुझे लगता है कि असली कुंजी यही केंद्र है।

वह दयालु है। वह असाधारण रूप से दयालु है। वह अपनी हानि के बावजूद दयालु है।

आप इसे अबशालोम के मामले में देख सकते हैं। आप इसे बार-बार देख सकते हैं। दाऊद एक ऐसा व्यक्ति है जो दया दिखाना जानता है।

और अगर यह परमेश्वर के दिल के मुताबिक कोई गुण नहीं है, तो मुझे नहीं पता। क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, परमेश्वर दिन-प्रतिदिन हमारे प्रति असाधारण रूप से, अकथनीय रूप से दयालु है और अपने लोगों के प्रति दयालु है, भले ही वे भयानक पापी हों। हम भयानक पापी हैं।

इसलिए, मैं सुझाव दूंगा कि परमेश्वर के हृदय के अनुसार व्यक्ति होने के मामले में दया यहाँ एक बड़ी बात हो सकती है। हम स्पष्ट रूप से जानते हैं कि वह पाप से संघर्ष करता है। हम इसका कुछ हिस्सा देखने जा रहे हैं।

हम पहले ही इसका कुछ हिस्सा देख चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि अगर आपने आज का अपना असाइनमेंट पढ़ा है, तो आप 2 शमूएल के आठवें अध्याय पर पहुँचकर शायद कुछ हद तक रुक गए होंगे। मैं आपको इसका थोड़ा सा हिस्सा पढ़कर सुनाता हूँ।

और ध्यान दें कि डेविड यहाँ अपना राज्य स्थापित करने के चरण में है। मैंने शुरू में कहा था, जब वह पहली बार राजा बना था, तो उसके पास बहुत छोटी सी चीज़ थी जो बिखर रही थी। जब वह अपना राज्य स्थापित करता है, तो जाहिर है कि कुछ ऐसी चीज़ें करनी पड़ती हैं जो क्रूर होती हैं।

आइए अध्याय आठ, श्लोक दो को पढ़ें। दाऊद ने मोआबियों को हराया। उसने उन्हें ज़मीन पर लिटाया, और रस्सी की लंबाई से उनकी लंबाई नापी।

उनमें से हर दो लम्बाई को मार दिया गया। और तीसरी लम्बाई को जीवित रहने दिया गया। इस प्रकार, मोआबी लोग दाऊद के अधीन हो गए और कर लाने लगे।

यह हमारे दिमाग में सबसे स्वादिष्ट बात नहीं है। आपको अध्याय 21 याद होगा, जहाँ देश में अकाल पड़ा है, और दाऊद ने प्रभु से पूछा और पता चला कि यह इसलिए हुआ क्योंकि शाऊल ने गिबोनियों के साथ संधि का उल्लंघन किया था। और गिबोनियों ने कहा, ठीक है, हमें शाऊल के घराने के सात लोग दे दो।

और डेविड उन सातों को सौंप देता है। और उस संदर्भ में सातों लोगों को मार दिया जाता है। एक तरह से यह एक उपाय है।

गिबोनियों के निर्दोष लोगों की जान ले ली गई। इन सातों को भी सौंप दिया गया है। इस पाठ को पढ़ते समय कुछ स्थानों पर ऐसा भी है कि वह युद्ध का आदमी भी है क्योंकि वह अपने राज्य का विस्तार कर रहा है।

इसलिए, हमें इस वास्तविकता को समझना होगा कि दाऊद इस समय और इतिहास में कहां है। वह सद्गुणों का आदर्श उदाहरण नहीं है। और फिर भी, वह परमेश्वर के दिल के अनुसार एक व्यक्ति है।

खैर, यह सब कहने के लिए, वास्तव में, यह सब कहने के लिए, हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। हेब्रोन के शुरुआती साल। अब, सटीक रूप से कहें तो साढ़े सात साल, यहूदा के राजा पर जनजाति का शासन।

क्या यह एक प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया गया है? नहीं, ऐसा नहीं है। इसे ऐसा ही होना चाहिए। चलिए इसे एक प्रश्न के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

यहूदा का गोत्र दाऊद के प्रति इतना अनुकूल क्यों था? हमने पिछली बार इस पर चर्चा की थी। क्या किसी को याद है कि यहूदा का गोत्र उसे राजा के रूप में क्यों स्वीकार करने जा रहा है, जबकि वह "पलिशियों के साथ" रहा है? केट, क्या यह उत्तर है? कोशिश करें। क्या वह उन सीमाओं के आसपास की व्यवस्था कर रहा था जो उनकी रक्षा करने जा रही थीं? हाँ, वह वास्तव में यहूदा के गोत्र में उन दक्षिणी कुलों को अमालेकी हमलावरों से बचा रहा है।

हालाँकि वह पलिशियों के राजा से कुछ अलग ही बात कहता है, लेकिन वह यहूदा के गोत्र के दक्षिणी पहलुओं के इस गोत्र के लिए एक अच्छा सुरक्षात्मक बाड़ और बाड़ रहा है। वे उसके ऋणी हैं। वे वास्तव में उसके ऋणी हैं।

अब, वह यहूदा जनजाति का सदस्य भी है क्योंकि वह खुद बेथलेहम से है। हेब्रोन जाना कोई संयोग नहीं है। तो, चलो किसी और जगह के बजाय हेब्रोन ही चलते हैं।

यह यहूदा जनजाति में एक तरह का केंद्रीय केंद्र है। जब आप नक्शे पर देखते हैं, तो यह वहाँ केंद्रित होता है। यह शरण के शहरों में से एक था जिसे स्थापित किया गया था, और इसका देश में आंतरिक रूप से कुछ यात्रा मार्गों को जोड़ने से सब कुछ लेना-देना है।

तो, यह एक अच्छी जगह है। इन शुरुआती सालों के दौरान, और मैं बस इनके बारे में जल्दी से बताने जा रहा हूँ। आप वापस जाकर कहानियाँ पढ़ सकते हैं, जैसा कि आप अपनी यादों को ताज़ा करने के लिए करते हैं।

लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप 2 शमूएल के पहले तीन अध्यायों को पढ़ते समय इस सिद्धांत पर ध्यान दें जिसे मैंने शुरू में ही स्पष्ट कर दिया है। दाऊद खुश होने से इनकार करता है। जब उसने शाऊल और योनातन की मृत्यु के बारे में सुना तो उसने खुश होने से इनकार कर दिया, और उसने लगातार ऐसा करने से इनकार कर दिया।

वह यहूदा या इस्राएल के लोगों द्वारा सिंहासन के हड़पने वाले के रूप में खुद को नहीं देखेगा, और यह महत्वपूर्ण है। लेकिन साथ ही, मैं सुझाव दूंगा कि उसकी दया की पूरी भावना और एक व्यक्ति के रूप में उसका तरीका उसे अपने दुश्मनों की मौत पर खुश होने और आनन्दित होने की अनुमति नहीं देता है। किसी भी दर पर, पहले दो अध्याय, वास्तव में दो और तीन, वास्तव में उन लोगों के बीच युद्ध का वर्णन करते हैं जिन्हें अब्रेर शाऊल, या शाऊल के घराने की ओर से आदेश दे रहा है, और वे लोग जिन्हें योआब आदेश दे रहा है, और आप उन्हें आगे और पीछे पढ़ते हैं।

अध्याय तीन में योआब द्वारा अब्रेर की दुखद हत्या का वर्णन है, क्षमा करें, योआब द्वारा अब्रेर की हत्या, और फिर अध्याय चार में बेंजामिन के गोत्र के इन दो लोगों, रेकाब और बाना के बारे में बताया गया है, जो सोचते हैं कि वे राजा, ईशबोशेत की हत्या करके दाऊद पर एहसान कर रहे

हैं। वे उसका सिर हेब्रोन ले जाते हैं, और दाऊद कहता है कि ऐसा करना सही नहीं है, और इसलिए वह उन्हें मार डालता है। और फिर वह ऐसा करता है, जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, बाद में, हमें अध्याय नौ में बताया गया है, जोनाथन के साथ उसकी वाचा के कारण, वह जोनाथन के बेटे, मपीबोशेत की देखभाल करने की वाचा करता है।

तो ये थे हेब्रोन में हमारे शुरुआती साल—यहाँ देखने के लिए बस कुछ बातें हैं। मुझे इस बात का अंदाज़ा हो गया कि योआब ने शहर के फाटक पर अब्रेर को इतनी आसानी से कैसे खत्म कर दिया।

आपमें से कितने लोगों ने पहले शहर के गेट की तस्वीरें देखी हैं? क्या यह आपको समझ में आ रहा है? यह इस तरह काम करता है। वैसे, यह हेब्रोन का गेट नहीं है, यह हज़ोर नामक जगह का गेट है। लेकिन किसी भी तरह से, आप यहाँ से ही आएँगे, यहाँ मुख्य मार्ग है।

लेकिन आप यह नहीं जानते होंगे, आप यह जानते होंगे, द्वार बहुत महत्वपूर्ण संरचनाएँ थीं, वहाँ न्यायिक गतिविधियाँ होती थीं, वहाँ वाणिज्यिक गतिविधियाँ होती थीं, किसी भी तरह की सरकारी चीज़ें होती थीं, यह एक शहर का द्वार था जहाँ ये सब चीज़ें होती थीं। रूथ की किताब। याद है जब बोअज़ अपने नज़दीकी रिश्तेदार से बात कर रहा था? वे शहर के द्वार पर जाते हैं और उस तरह की चीज़ों का ध्यान रखते हैं।

और आज हम थोड़ी देर बाद शहर के द्वार पर अबशालोम को देखेंगे, जो इस्राएल के दिलों को चुरा रहा है। तो, शहर के द्वार वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण थे। अब, यहाँ बात यह है: आपके पास सिर्फ सलाखों वाला दरवाज़ा नहीं है, आपके पास इस तरह की संरचना है, और आपके पास प्रत्येक तरफ़ कमरे हैं, एक, दो, तीन, चार, पाँच, उफ़, हाँ, यहाँ छह।

और ये कमरे बेशक प्राचीन काल के हैं। अब हमारे पास सिर्फ़ वे संरचनाएँ बची हैं, उनकी दीवारें, लेकिन उनमें दीवारें ऐसी ही रही होंगी और फिर उन्हें ढक दिया गया होगा। तो, यह भी एक ढकी हुई संरचना होगी। इसलिए, जब वे इस पूरे क्षेत्र से गुज़र रहे होंगे तो योआब के लिए यह कहना बहुत आसान होगा, ओह, बस शहर के फाटक में आ जाओ, उन छोटे कमरों में से एक में जो खाली हैं, उस समय वहाँ कोई न्यायाधीश नहीं बैठा था या कुछ और।

और उस संदर्भ में, योआब अब्रेर को मिटा देता है। तो, शहर के द्वार को उस तरह से देखें, लेकिन फिर से, मैं चाहता हूँ कि आप इसे इन संदर्भों में होने वाली प्रमुख गतिविधियों के केंद्र के रूप में देखें। यह जरूरी नहीं है कि सब कुछ महल में ही हो रहा हो।

शहर के दरवाज़ों पर बहुत सी महत्वपूर्ण चीज़ें होती हैं। एक और तस्वीर, जो काफी पुरानी है, लेकिन कम से कम यह हमें 2 शमूएल अध्याय दो में उन घटनाओं में से एक का थोड़ा सा एहसास कराती है। क्या आपको याद है कि शाऊल के घराने की सेनाएँ गिबोन के तालाब के एक तरफ़ इकट्ठी हुई थीं और योआब की कमान वाली सेनाएँ दूसरी तरफ़ थीं और उन्होंने 12 लोगों को खड़ा करके एक साथ खेल खेलने का फ़ैसला किया, हिब्रू में यही शब्द है, और वे सभी एक दूसरे को चाकू मारते हैं और गिबोन के तालाब में गिर जाते हैं।

20वीं सदी की शुरुआत में जब पुरातत्वविदों ने गिबोन में खुदाई शुरू की, तो उन्हें यह तालाब मिला। दरअसल, उन्होंने इसे खुद नहीं बनाया, बल्कि उन्होंने इसमें खुदाई की, और यहाँ वह है जिसे आम तौर पर गिबोन में तालाब के रूप में लेबल किया जाता है। अब यह थोड़ा धुंधला हो गया है, लाल रंग की स्लाइड फीकी पड़ गई है, लेकिन आप मुश्किल से ही कुछ सीढ़ियाँ देख सकते हैं जो नीचे की ओर जाती हैं।

ठीक है, चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं। डेविड को सबसे पहले जो काम करना है, वह है पूरे इस्राएल को फिर से एक साथ लाना, सिर्फ यहूदा के गोत्र को नहीं, और ऐसा करने के लिए उसके पास दो तरीके होंगे, क्योंकि वह इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे पहले, वह उस शहर पर कब्ज़ा करने जा रहा है जो यरूशलेम बनेगा।

अब, विजय में, हमें बताया गया है कि यबूस पर कब्ज़ा कर लिया गया था, लेकिन जाहिर है, यह इस्राएलियों के कब्जे में नहीं था, और इसलिए आपको यह विदेशी एन्क्लेव मिला है जो कि यहूदा के गोत्र और बिन्यामीन के गोत्र के बीच के क्षेत्र में है। यह महत्वपूर्ण है। डेविड इसे लेने जा रहा है, और वह अपनी राजधानी हेब्रोन से, जो कि यहूदा के गोत्र के केंद्र में है, यबूस, जो अब यरूशलेम है, में ले जाने जा रहा है।

वैसे, इस शहर पर कब्ज़ा करने की कहानी बहुत दिलचस्प है। वह पानी की व्यवस्था के ज़रिए ऐसा करता है, किसी तरह पानी की व्यवस्था से चुपके से निकल जाता है। वह और योआब शहर पर कब्ज़ा कर लेते हैं और वहाँ मौजूद लोगों को आश्चर्यचकित कर देते हैं।

हमारे साथ इज़राइल आइए। मई, जून, 2010, क्या मैंने अभी तक इसे वहाँ डाला है? हाँ, मैंने डाला है। हम इस पूरी चीज़ को देखेंगे और देखेंगे कि यह कैसे काम करता है।

किसी भी तरह, डेविड के लिए हेब्रोन से राजधानी स्थानांतरित करना रणनीतिक क्यों है? हेब्रोन से राजधानी को यरूशलम में स्थानांतरित करना उनके लिए राजनीतिक रूप से रणनीतिक क्यों है? और मैं आपको इसके बारे में थोड़ा और विस्तार से बताता हूँ। मैंने अभी जो कहा, उसे आगे बढ़ाते हुए, हेब्रोन यहूदा जनजाति के बीच में है। यरूशलम उत्तर की ओर सीमा के ठीक पार है।

क्या यह थोड़ी मदद कर रहा है? तकनीकी रूप से, एक बार जब यह बेंजामिन के गोत्र में एक इज़राइली शहर बन जाता है, तो क्या आप रणनीतिक रूप से सोच रहे हैं? यहाँ राजनीतिक प्रतिभा क्या है? क्योंकि यह शानदार है। बेंजामिन का गोत्र, शाऊल, है न? अगर हम राजधानी को किसी दूसरे गोत्र में ले जाते हैं, सबसे पहले, डेविड के गोत्र से, और अगर यह बेंजामिन होता है, तो यह उन गोत्रों तक पहुँचने का एक तरीका होगा, जो काफी असंतुष्ट थे, विशेष रूप से उस गोत्र तक, बेंजामिन का गोत्र, जिससे शाऊल, पहला राजा, आया था। यह एक शानदार कदम है।

इसके अलावा, वह और भी उत्तर की ओर जा रहा है, और इससे भी मदद मिलती है। हाँ, तो, क्या यह सिर्फ एकीकरण के उद्देश्य से है? हाँ, मैं सुझाव दूंगा कि एकीकरण के लिए यह एक बड़ा कदम है।

बहुत स्पष्ट रूप से, क्योंकि उसने पहले पहल की थी, जब अब्रेर आया था, और फिर यहूदा के गोत्र के अन्य बुजुर्ग उसके पास आएंगे। उसने गोत्रों को फिर से एकजुट करने के लिए पहल की थी, लेकिन यह एक ऐसा कदम है जो वह बदले में कर सकता है, जो कहता है, ठीक है, कुछ मायनों में, मुझे इसे थोड़ा सा समर्थन करने दें। जब हमारा देश पहली बार बना था, तो आप में से जिन्होंने इस सामान का अध्ययन किया है, वे जानते हैं कि बोस्टन और फिलाडेल्फिया के बीच काफी बहस हुई थी।

राजधानी किसे मिलेगी? दो बहुत महत्वपूर्ण शहर। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया को अलग करना बिल्कुल शानदार था, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग इकाई थी। एक ही तरह की बात, पूरी तरह से नहीं, लेकिन एक ही तरह की बात हो रही है।

दाऊद एक भूतपूर्व यबूसी शहर पर कब्ज़ा करता है, उसे अपने कब्जे में लेता है, और उसे एकीकरण के लिए एक स्थान बनाता है। तो यह पहला कदम है जो राजनीतिक रूप से वास्तव में महत्वपूर्ण है। वह पलिशतियों के खतरे को कम करने में सफल होता है।

दो बार, पलिशती रपाईम घाटी में ही थे, और आपको यह जानने के लिए मानचित्र देखने की ज़रूरत है कि रपाईम घाटी यरूशलेम के ठीक पश्चिम में है। पलिशतियों को अभी तक पूरी तरह से वश में नहीं किया गया है, और वे अभी भी कुछ हद तक आगे बढ़ते हैं, लेकिन जैसा कि आप इस बारे में उन अध्यायों को पढ़ते हैं, दाऊद रपाईम घाटी में उनके खिलाफ दो बार जीत हासिल करेगा, और वे पीछे हट जाएंगे। वे पलिशती मैदान में वापस चले जाते हैं, जहाँ वे रहते हैं।

और फिर, बेशक, हमारे पास, आखिरकार, धार्मिक एकता विकसित करने के मामले में उनका कदम है, और यही हमारी कहानी है। मैं इसे 2 शमूएल, अध्याय छह में लेने जा रहा हूँ, हालाँकि, बेशक, इतिहास में भी इसका एक समानांतर प्रतिपादन है। लेकिन हम इसे थोड़ा देखना चाहते हैं।

अध्याय छह, श्लोक दो। दाऊद और उसके सभी लोग परमेश्वर के सन्दूक को लाने के लिए निकल पड़े। वे पहचानते हैं कि चीजें वास्तव में अलग-अलग थीं।

यह पूरा क्षेत्र न केवल राजनीतिक रूप से विभाजित हो गया है, बल्कि धार्मिक रूप से भी विभाजित हो गया है। गिबोन में अभी भी कुछ चीजें बन रही हैं। वहाँ एक तम्बू है, एक जगह।

सन्दूक कहीं और है। यह कम से कम 20 साल से काइरी नामक जगह पर है। डेविड को एहसास होता है कि यहाँ कुछ एकीकरण होना चाहिए, और इसलिए, वह ऐसा करने का फैसला करता है।

लेकिन, बेशक, वे इसे ठीक से नहीं करते, है न? मुझे अध्याय तीन पढ़ना शुरू करना चाहिए। उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को एक नई गाड़ी पर रखा। समस्या क्या है? आखिरकार, क्या पलिशतियों ने ऐसा ही नहीं किया? उन्होंने इसे गाड़ी पर रख दिया।

यह बेत शोमेश से भी जुड़ा है। हाँ, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, और उन्हें बेहतर पता होना चाहिए था, है न? हम फिलिस्तीनियों को यह जानने के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते कि आप

इसे छल्लों और चीज़ों के माध्यम से छड़ों पर ले जाते हैं। लेकिन उन्हें यह पता होना चाहिए था, क्योंकि यह टोरा में था, इस संदर्भ में कि इसे कैसे ले जाना है।

यह जहाज़ पर, माफ़ करें, गाड़ी पर नहीं होना चाहिए था। लेकिन वे ऐसा करते हैं, और दुर्भाग्य से, कुछ घटित होता है। लेकिन इससे पहले कि हम यह पढ़ें, आइए पाँचवीं आयत पढ़ें।

दाऊद और इस्राएल का पूरा घराना प्रभु के सामने पूरी ताकत से जश्न मना रहा था। वे वाकई बहुत खुश हैं। यह परमेश्वर की उपस्थिति के उनके मुख्य प्रतीक को वापस उस जगह ले जाना है जहाँ उसे होना चाहिए।

दिलचस्प बात यह है कि, और मुझे यकीन नहीं है कि आप इसे कितना आगे बढ़ाना चाहते हैं, आप इसे ले सकते हैं या छोड़ सकते हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि हिब्रू शब्द जिसका अनुवाद आपके एनआईवी द्वारा नाजुक ढंग से, या अच्छी तरह से, मुझे कहना चाहिए, जश्न मनाना है, वह शब्द भी है जिसका मतलब केवल खेलना, मनोरंजन करना है।

यह वह शब्द है जो यित्ज़चैक के नाम के पीछे छिपा है: हँसी। और यह वह शब्द है जो इसहाक और जैकब के बीच के रिश्ते का वर्णन करता है, ठीक है, और जब वह रिबका को दुलार रहा होता है। तो शायद यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा उन्हें पूरे उत्सव के हिस्से के रूप में करना चाहिए था।

और मैं आपको सुझाव देना चाहता हूँ कि अगली बार जब वे वास्तव में इस बारे में बात करेंगे, तो दाऊद पूरी ताकत से नाच रहा होगा, लेकिन वहाँ एक अलग हिब्रू शब्द है। और केवल इतना ही नहीं, जब वे अंततः सन्दूक को ऊपर लाते हैं, तो वे क्या करते हैं? वे छह कदम चलते हैं, और फिर वे बलिदान चढ़ाते हैं। और फिर वे छह कदम चलते हैं, और जब वे वास्तव में उस सन्दूक को यरूशलेम ले जाते हैं, तो वे एक बिल्कुल अलग स्वर प्रस्तुत करते हैं।

यह पहली बार कुछ ज़्यादा ही सहज, कुछ ज़्यादा ही खुशमिजाज़ लगता है, शायद। और, ज़ाहिर है, हम जानते हैं कि क्या होता है। बैल लड़खड़ा जाते हैं।

ऐसा लगता है कि सन्दूक, गाड़ी से टकराकर लड़खड़ा जाएगा, आज गाड़ी और सन्दूक को आपस में मिलाना ठीक नहीं है। लेकिन कोई, उज्जा, उसे संभालने के लिए आगे आता है, और वह मर जाता है। और हमें एक और सबक मिलता है।

यह दिलचस्प है, और यहाँ मैं एक छोटा सा विषयांतर करने जा रहा हूँ। दिलचस्प शब्द का इस्तेमाल करना मूर्खतापूर्ण है। जब हम शास्त्रों को पढ़ते हैं तो यह ध्यान देने योग्य और शायद गंभीर बात है कि हर बार परमेश्वर की अपने लोगों के साथ मौजूदगी के संदर्भ में कुछ नया हो रहा है। दुर्भाग्य से, एक सबक सीखना पड़ता है, और आमतौर पर, यह कठिन तरीके से सीखा जाता है।

नादाब और अबीहू के पास वापस जाओ। तम्बू स्थापित हो चुका है। वे दहाड़ते हुए पवित्रता को अपवित्र करते हैं, और परमेश्वर उन्हें मार डालेगा।

यह एक और उदाहरण है क्योंकि उज्जा को सन्दूक को छूना नहीं चाहिए था। जब तक आप यह नहीं सोचते कि यह पुराने नियम का क्रोधी परमेश्वर है और यह नए नियम में नहीं होता, तब तक हनन्याह और सफीरा का क्या होगा? वे पवित्र आत्मा से झूठ बोल रहे हैं, है न? जैसे-जैसे नया चर्च शुरू हो रहा है और आगे बढ़ रहा है, और परमेश्वर के लोगों को फिर से एक सबक सिखाया जाता है कि आप परमेश्वर की पवित्रता को न रौंदें। यहाँ यही सबक है।

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि वहाँ बहुत खुशी और आश्चर्य तथा सहज आराधना के लिए कोई स्थान नहीं है, मैं ऐसा बिल्कुल नहीं कह रहा हूँ, लेकिन परमेश्वर ने उनसे संपर्क करने के तरीके के संदर्भ में विशेष आवश्यकताएँ दी थीं, और उन्होंने उन्हें बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लिया। जैसा कि मैंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि जब वे वास्तव में इस सन्दूक को यरूशलेम में लाते हैं, तो 2 शमूएल के अध्याय छह की आयत 13 में, जब सन्दूक को ले जाने वाले लोग छह कदम चल चुके थे, तो दाऊद ने एक बैल और एक मोटा बछड़ा बलि किया। आयत 14 पर ध्यान दें, जो रेबेका के प्रश्न पर वापस आती है।

दाऊद ने सनी का एपोद पहना हुआ है। अगर हम इतिहास में समानांतर पढ़ें, तो यह कहता है कि उसने बढ़िया सफ़ेद सनी का कपड़ा पहना हुआ है और फिर सनी के एपोद पर फिर से ज़ोर दिया गया है। यह आमतौर पर किसके लिए वर्णन किया जाता है? याजकों के लिए, है न? याजक ही वे थे जो इसे पहनते थे।

तो शायद यहाँ दाऊद वास्तव में एक पुजारी के रूप में कार्य कर रहा है, भले ही हमारे पास ऐसा कोई विशेष कथन न हो, और दाऊद पुजारी की भूमिका निभाता है। शायद यही हो रहा है। और शायद यही भजन 110 किसी संदर्भ में संकेत कर रहा है।

खैर, दिलचस्प बात यह है कि अब हमें आगे बढ़ना है। डेविड ने मंदिर बनाने की इच्छा जाहिर की है, यह अध्याय सात है। जाहिर है, उसके पास सन्दूक है।

आपके पास अभी भी एक तम्बू है जो यरूशलेम के उत्तर-पश्चिम में एक पहाड़ पर है जिसे गिबोन का उच्च स्थान कहा जाता है। डेविड इसे सभी को एक साथ लाना चाहता है। यह एकीकरण, धार्मिक एकीकरण का हिस्सा है।

एक और सुझाव, और यह पंक्तियों के बीच पढ़ना है, और फिर से, यह केवल कुछ विद्वान हैं जो यह सुझाव दे रहे हैं। व्यापक सांस्कृतिक परिदृश्य में, जब कोई व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में किसी राज्य पर कब्ज़ा करता है, और ऐसे लोग थे जो डेविड को एक हड़पने वाले के रूप में देखते थे, भले ही वह ऐसा नहीं चाहता था और इसके खिलाफ काम करता था, ऐसे लोग भी थे जो उसे इस तरह से देखते थे। इसका मुकाबला करने का तरीका वास्तव में देवता के लिए एक मंदिर बनाना था।

और इसलिए, यह व्यापक सांस्कृतिक संदर्भ है। शायद यह डेविड के उद्देश्यों का भी हिस्सा है। हम यह नहीं जानते, लेकिन हो सकता है कि ऐसा हो।

हम देखते हैं कि भगवान कहते हैं कि नहीं। और भगवान का जवाब है, आपका बेटा मंदिर बनाएगा, आप नहीं। आपका बेटा मंदिर बनाएगा।

दाऊद के हाथों पर भी खून था, हम पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं। सुलैमान, जैसा कि उसके नाम से पता चलता है, शालोम, श्लोमो होगा। उसके नाम से पता चलता है कि वह शांति का आदमी होगा।

और यह सुलैमान ही होगा जो मंदिर का निर्माण करेगा। हालाँकि, परमेश्वर के इनकार से दाऊद पूरी तरह से दुःख और निराशा से अभिभूत न हो जाए, और वैसे, यह नातान, नबी है, जो उसे यह संदेश देगा। ध्यान दें कि परमेश्वर नातान के माध्यम से उससे क्या कहता है, और यह दाऊद के साथ परमेश्वर की वाचा का उल्लेख कर रहा है।

सातवें अध्याय में, पद 11 के मध्य में, प्रभु तुम्हारे लिए एक घर बनाएगा, और वह घर उसकी कल्पना से कहीं बड़ा होगा। वह सबसे पहले तुम्हारे बेटे, तुम्हारी संतान के बारे में बात करता है। पद 13: वही मेरे नाम के लिए घर बनाएगा, और मैं उसके राज्य के सिंहासन को हमेशा के लिए स्थापित करूँगा।

जब वह गलत काम करेगा, तो मैं उसे दण्डित करूँगा, और सुलैमान को दण्ड का भाग मिलेगा, साथ ही उसके वंशजों को भी। लेकिन श्लोक 15, मेरा प्रेम उससे कभी नहीं छीना जाएगा, जैसा कि मैंने शाऊल से छीन लिया था। श्लोक 16, अध्याय सात, तुम और तुम्हारा घराना और तुम्हारा राज्य हमेशा के लिए कायम रहेगा।

तुम्हारा सिंहासन हमेशा के लिए स्थापित हो जाएगा। और बेशक, दाऊद के आने वाले मसीहाई बेटे के संदर्भ में इसमें सभी तरह के संकेत हैं। खैर, ये अच्छी बातें हैं।

यहाँ के नक्शे के अनुसार हम खुद को पुनः दिशा दे रहे हैं और हम कहाँ थे और क्या कर रहे हैं। यदि आप इसे ध्यान से देखें, तो यहाँ है, अगर मैं इसे ढूँढ़ पाऊँ, तो यरुशलम, है न? यह वहीं है। तो, यह हेब्रोन से, जो यहूदा जनजाति का केंद्र है, यरुशलम की ओर एक कदम है।

सन्दूक किर्यत-यारीम में ही था। इसलिए, इसे उस स्थान से लाया गया था, और यद्यपि यह नक्शा इसे बहुत आसान दिखाता है, लेकिन यह एक आसान यात्रा नहीं रही होगी। किर्यत-यारीम से यरुशलम तक पहुँचने के दौरान उन्हें कुछ पहाड़ियों और घाटियों से होकर गुजरना पड़ा।

तो अब हम यहाँ हैं, और हमारे पास एक तरह का संयुक्त राज्य है। अब हम दाऊद के शासनकाल की कुछ अन्य घटनाओं के बारे में थोड़ी बात करने जा रहे हैं। तो यह हमारी तस्वीर है कि पहले क्या हुआ और बाद में क्या हुआ।

वहाँ अंडाकार आकृति डेविड शहर की रूपरेखा बनाती है। यह छोटा है। मैंने शायद यह पहले भी कहा है।

यहाँ हमारा वर्तमान मंदिर पर्वत है, ठीक है? और जब सुलैमान वास्तव में मंदिर का निर्माण करेगा, तो यह संभवतः उस सामान्य क्षेत्र में होगा। पहाड़ की छोटी सी चोटी जो यहाँ नीचे आती है, और यह वास्तव में उद्धरण चिह्नों में पहाड़ है, आसपास की सभी पहाड़ियों से कम है। यह अधिक ऊँचा है, यहाँ नीचे भी अधिक ऊँचा है, यहाँ भी अधिक ऊँचा है।

तो, डेविड का शहर और माउंट सिव्थोन वास्तव में उनके चारों ओर ऊँचे पहाड़ों से घिरे हुए हैं। हम यहाँ ठीक उसी क्षेत्र के बारे में बात कर रहे हैं जहाँ डेविड ने संभवतः अपना महल बनाया था। वास्तव में, आप में से जो लोग मई 2010 में इज़राइल आए थे, वे देखेंगे कि पुरातत्वविदों को अब एक स्मारकीय संरचना के रूप में क्या मिल रहा है, जो संभवतः 10वीं शताब्दी की है।

और यह यहीं पर है। इसलिए, कुछ अच्छे पुरातात्विक साक्ष्य सामने आ रहे हैं जो यह संकेत देते हैं कि हमारे पास वास्तव में उस समय एक महत्वपूर्ण डेविड और सोलोमन साम्राज्य स्थापित था। खैर, उस पर एक नज़र डालें और कल्पना करें कि वह महल यहीं पर है।

और फिर हम इसे नज़दीक से देखेंगे और मैं आपसे कुछ करने के लिए कहूँगा, ठीक है? डेविड का महल यहीं पर है। कल्पना करें कि प्राचीन काल में इस तरफ़ आवासीय संरचनाएँ शायद इसी तरफ़ थीं। यह सिलवान का आधुनिक गाँव है, अगर हम कभी किसी ज़ेनोफ़ोबिक गाँव से मिले तो।

आजकल वहाँ से पैदल न जाएँ। लेकिन घरों को देखें, तो वे ऊपर से नीचे तक एक के ऊपर एक बने हुए हैं। और डेविड के दिनों में, जब यह हिस्सा आबाद था, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि उस ढलान पर घर लगभग एक जैसे ही होंगे।

मैं इन घरों के बारे में लगातार क्यों बोल रहा हूँ? यहाँ कौन सी कहानी सामने आ सकती है? दाऊद का महल यहीं है। ओह, चलो पीछे चलते हैं। हाँ, अगर दाऊद का महल यहाँ है और आपके पास वहाँ ढेर सारे घर हैं, और एक शाम बाथशेबा अपने घर की छत पर है।

और वैसे, वह कोई दिखावा नहीं कर रही है। उसे यहीं नहाना चाहिए। डेविड उसे नीचे देख रहा है, और आप उस समय की कहानी जानते हैं।

यह हमें दाऊद के शासनकाल के घिनौने हिस्सों की ओर ले जाता है। यह घिनौना तो था ही, साथ ही यह उसके साथ जुड़े कुछ लोगों, खास तौर पर उसके बेटों के लिए भी घिनौना था। अभिशाप क्या है? यह शब्द ढूँढ़ना मददगार होगा।

यह एक कोड़ा है, ठीक है, यह एक कोड़ा है। और यहाँ, इसका प्रयोग रूपक के रूप में किया गया है, यह देखने के लिए कि पाप क्या कर रहा है, क्योंकि यह वास्तव में दाऊद के परिवार और वास्तव में, अंततः उसके राज्य को नष्ट कर देगा। इसका कोई भी उल्लेख इतिहास में नहीं है। यह बिलकुल सच है।

हम डेविड के बाथशेबा के साथ व्यभिचार की भयानक कहानी जानते हैं, उरीया को बाथशेबा के साथ सोने के लिए लाकर उसे छिपाने की उसकी कोशिश, दुश्मन की सीमा से उरीया को वापस

लाना। वह ऐसा नहीं करता क्योंकि वह बहुत वफादार है, और वैसे, डेविड योआब की मिलीभगत से अग्रिम मोर्चे पर उसकी हत्या की व्यवस्था करता है। योआब यहाँ इस पूरी प्रक्रिया का हिस्सा है।

परिणामस्वरूप, नाथन एक दृष्टांत बताता है। दृष्टांत एक अमीर आदमी और एक गरीब आदमी के बारे में है, और अमीर आदमी कुछ ऐसा ले जाता है जो सिर्फ एक खजाना था, एक कीमती खजाना, एक छोटी भेड़। और, ज़ाहिर है, डेविड क्रोधित हो जाता है, यह महसूस किए बिना कि दृष्टांत उसके खिलाफ बताया गया है।

और वह कहता है, उस आदमी को सज़ा मिलनी चाहिए। और बेशक, नाथन कहता है, यह तुम हो। और फिर हमारे पास निम्नलिखित कथन है।

मैं अध्याय 12 में हूँ और आप भी इसे स्वयं समीक्षा करना चाहेंगे, क्योंकि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण घोषणा है। नाथन सिर्फ अपने दिमाग से नहीं बोल रहा है। नाथन एक भविष्यवक्ता है।

और यहाँ जो कुछ वह कहता है, वह दाऊद के घराने के लिए दाऊद के शेष जीवन में घटित होने वाला है। आइए इसे देखें। मैं अध्याय 12 की नौवीं आयत से शुरू करने जा रहा हूँ।

तुमने यहोवा की दृष्टि में जो बुरा है, उसे करके उसके वचन का तिरस्कार क्यों किया? तुमने हित्ती उरीया को तलवार से मार डाला। तुमने उसकी पत्नी को अपनी पत्नी बना लिया। दो बातें: हत्या और व्यभिचार, है न? हत्या, यौन शोषण।

तुमने उसे अम्मोनियों की तलवार से मार डाला, श्लोक 10. अब, इसलिए, तलवार तुम्हारे घर से कभी नहीं हटेगी, ठीक है? तलवार तुम्हारे घर से कभी नहीं हटेगी। इसलिए, दाऊद के घराने के भीतर हिंसा और हत्या होने जा रही है।

यह पहली बात है, और यह माप के लिए माप है। और फिर श्लोक 11, तुम्हारे अपने घर से, मैं तुम पर विपत्ति लाने जा रहा हूँ। तुम्हारी आँखों के सामने, मैं तुम्हारी पत्नियों को ले जाऊंगा और उन्हें तुम्हारे करीबी को दे दूंगा।

वह दिनदहाड़े तुम्हारी पत्नियों के साथ सोएगा। तुमने यह काम छुपकर किया। मैं यह काम दिनदहाड़े करने जा रहा हूँ।

अबशालोम जब राज्य पर कब्ज़ा करता है तो क्या करता है? वह दिनदहाड़े दाऊद की रखैलों के साथ सोता है। यह एक राजनीतिक बयान है। अबशालोम उस समय एक राजनीतिक बयान दे रहा है, लेकिन यह नाथन द्वारा की गई भविष्यवाणी को एक हद तक, एक बदसूरत, धिनौने हद तक पूरा भी कर रहा है।

खैर, दाऊद पश्चाताप करता है। और यहीं पर, बेशक, भजन 51 अपनी संपूर्णता में आता है, और मैं आपको वापस जाकर इसे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। लेकिन इसके परिणाम हैं।

भगवान उसे माफ कर देते हैं। यह भगवान की दया की खूबसूरती है। भगवान माफ करते हैं, लेकिन हमारे पापों के परिणाम भी होते हैं, और हमें उनसे निपटना होगा।

डेविड को इस स्थिति से निपटना पड़ा। इसके गंभीर परिणाम हुए, जैसा कि मैंने पहले कहा, उसके परिवार पर आजीवन प्रभाव पड़ा। सबसे पहले, पहले बेटे की मृत्यु हो जाती है।

डेविड उपवास करता है। जब बेटा मर रहा होता है तो वह इस उम्मीद में शोक मनाता है कि शायद भगवान का मन बदल जाएगा। ऐसा नहीं होता। बेटा मर जाता है, और डेविड उठता है और कहता है, भगवान, मुझे जीवन जीना है।

फिर उसके और भी बेटे होंगे, और बाथशेबा से दूसरा बेटा सुलैमान होगा, जैसा कि हम देखेंगे। हमारे पास अम्नोन और तामार की घटना है। अम्नोन दाऊद का ज्येष्ठ पुत्र है।

हमें यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। जेठा बेटा। वह तामार का बलात्कार करता है।

वह इसके परिणामस्वरूप पूरी तरह से अपमानित हो जाती है, और वह अबशालोम की पूरी बहन है। हाँ, केट। डेविड, क्या मैंने गलत कहा? हाँ, उसकी माँ कौन है? आह, माँ।

अम्नोन की माँ कौन है? यह कोई और हो सकता है, मुझे लगता है कि यह अहिनोअम है। मुझे वापस जाकर इसे देखना होगा। मुझे पूरा यकीन है कि यह अहिनोअम ही है।

लेकिन कोई और इसकी जाँच कर सकता है। क्या वह सुलैमान से पहले पैदा हुआ था? हाँ, सुलैमान से बहुत पहले। सुलैमान कहीं नीचे है, वास्तव में, पंक्ति में आठवें स्थान पर।

फिर से कहो? बाथशेबा से पहले? शायद हाँ। याद रखो, उसकी दो पत्नियाँ हैं। उसकी अहिनोअम है, और उसकी मीकल है, और उसकी अबीगैल है, है न? और वहाँ बहुत सारे हैं, बहुत सारे नहीं, लेकिन कुछ और भी हैं जो वहाँ हैं।

तो, यहाँ बेटों की एक पंक्ति है। हम जिन लोगों से चिंतित हैं वे हैं अम्नोन और फिर अबशालोम क्योंकि अबशालोम तीसरे नंबर पर पैदा होगा। जब अबशालोम तामार की ओर से अपना बदला ले रहा है, जैसा कि आप कथाओं को पढ़कर जानते हैं, वह अम्नोन को मारने की व्यवस्था करता है।

तो, अबशालोम के हाथ भी खून से सने हैं। उसने इस पूरी घटना में दाऊद के ज्येष्ठ पुत्र को मार डाला है। परिणामस्वरूप, वह भाग जाता है।

योआब अबशालोम को वापस लाने की व्यवस्था करने जा रहा है, जो इस मामले में योआब की ओर से एक चालाक लेकिन बहुत दुर्भाग्यपूर्ण कदम है क्योंकि जब योआब ऐसा करता है, तो वह अबशालोम को वापस लाता है, जो, जैसा कि आप 1 राजा 14, 15, 16 और 17 को पढ़ने से जानते हैं, अबशालोम अपने पिता के खिलाफ सैन्य तख्तापलट करता है। हम आगे यहीं जा रहे हैं। इस पर कोई सवाल? मुझे पता है कि मैं इसे जल्दी से पढ़ गया।

जिप जैप, ठीक है। यहाँ साजिश है। अबशालोम एक चतुर आदमी है।

वह बहुत सुंदर भी है। इस तरह वह लोगों का दिल जीत लेता है। वह अच्छा दिखता है।

14:25. दिखने में सुंदर है। उसके पास सभी सही साज-सज्जा है।

एक BMW. खैर, यहाँ सिर्फ़ एक रथ और घोड़े और उसके आगे दौड़ने के लिए 50 आदमी बताए गए हैं. लेकिन आप जानते हैं, वह दिखावे में बहुत अच्छा है.

और जब भी कोई शहर के गेट पर उसके पास आता है, तो वह कहता है, मैं तुम्हारी समस्या का समाधान कर दूंगा। बस मुझे करने दो। और यह संदेश आगे बढ़ता रहता है।

उसने इस्राएल के सभी लोगों का दिल जीत लिया। और फिर वह हेब्रोन जाता है, जो निश्चित रूप से अपने आप में एक राजनीतिक बयान है। उसके पिता ने हेब्रोन में शासन किया था।

वह हेब्रोन जाता है। खुद को राजा घोषित कर लेता है। और वह बुलाता है, यह अध्याय 15, श्लोक 12 है, अगर आप इसे बाद में देखना चाहें।

वह दाऊद के सलाहकार अहीतोपेल को बुलाता है। इसलिए वह अहीतोपेल की बुद्धि को पहचानता है। वास्तव में, आगे चलकर यह कहा जाएगा कि अहीतोपेल ने जो सलाह दी वह ईश्वर की सलाह जैसी थी।

और अबशालोम को यह पता है। इसलिए वह अहीतोपेल को अपने पक्ष में कर लेता है। दाऊद को एहसास होता है कि उसे जाना होगा क्योंकि अबशालोम यरूशलेम की ओर जा रहा है।

जब दाऊद के जाने के बाद अबशालोम वहाँ पहुँचता है, तो कुछ दिलचस्प बातें होती हैं। लेकिन इस बीच, हमें एक महत्वपूर्ण बात पकड़नी होगी। जब दाऊद जा रहा था, और मैं यहाँ अध्याय 15 के अंत में हूँ, तो वह हुशै नामक एक व्यक्ति से कहता है, वह कहता है, तुम अहीतोपेल की सलाह को विफल करके मेरी मदद कर सकते हो।

इसलिए, दाऊद हुशै को भेजता है कि वह अबशालोम के पीछे जाए और जाहिर तौर पर उसके साथ मिल जाए। लेकिन दाऊद हुशै को निर्देश देता है कि तुम वहाँ जाओ और अहीतोपेल जो कुछ भी कहे, उसका विरोध करो। और पाठ वास्तव में अध्याय 17 में कहने जा रहा है, यह हुशै के माध्यम से अहीतोपेल की सलाह को विफल करने की परमेश्वर की योजना थी।

और हम इसे कुछ ही पल में घटित होते देखेंगे। चलिए शुरू करते हैं। अबशालोम अध्याय 16 के अंत में दिखाई देता है।

पद 20, हमें अपनी सलाह दे, अहीतोपेल। अबशालोम ने कहा, हमें क्या करना चाहिए? और अहीतोपेल ने कहा, पद 21, अध्याय 16, अपने पिता की रखैलों के साथ सो जाओ, जिन्हें उसने

महल की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया है। सारा इस्राएल सुनेगा कि तुमने अपने पिता के नधुने में खुद को दुर्गंध बना लिया है, और तुम्हारे साथ रहने वाले सभी लोगों के हाथ मजबूत हो जाएंगे।

उन्होंने छत पर अबशालोम के लिए एक तम्बू खड़ा किया, और वह अपने पिता की रखैलों के साथ पूरे इस्राएल के सामने लेटा रहा। बिलकुल, ठीक है, मैं सही शब्द भी नहीं सोच सकता, घृणित, जघन्य, अप्रिय, और फिर भी यह एक राजनीतिक बयान है। जो मेरे पिता का था वह अब मेरा है, ठीक है? यहाँ अहीतोपेल की सलाह का दूसरा अंश है।

अध्याय 17, श्लोक एक, मैं 12,000 लोगों को चुनूंगा और आज रात दाऊद का पीछा करने निकलूंगा। दूसरे शब्दों में, जब वह कमज़ोर हो और भाग रहा हो, तब जाकर उसे पकड़ूंगा। लेकिन यहीं पर हुशै की भूमिका आती है क्योंकि हुशै कहता है, ओह, नहीं, नहीं, तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

तुम अपने पिता को जानते हो। जब वह फंस जाता है, तो वह शेर की तरह लड़ता है। अपने आप को थोड़ा समय दो।

पीछे हटो, अपनी सेना को इकट्ठा करो, बहुत से लोगों को इकट्ठा करो, और फिर उनका पीछा करो। बेशक, हुशाय डेविड के लिए समय खरीद रहा है क्योंकि डेविड भी यही कर सकता है, अपनी सेना को इकट्ठा करो, और फिर वे युद्ध करेंगे।

इसलिए हुशै अहीतोपेल की दूसरी सलाह को विफल करने में सफल हो जाता है। और अंततः, युद्ध में जीत दाऊद की सेना की ही होगी। हुशै की प्रति-खुफिया शक्ति।

एक बार जब वे युद्ध के लिए आते हैं, तो अबशालोम मर जाएगा, लेकिन वह इसलिए मरेगा क्योंकि वह खुद एक पेड़ में फंस जाता है, उसका सिर एक पेड़ में फंस जाता है, और योआब आकर उसे खत्म कर देगा। डेविड, यह शायद डेविड के दयालु हृदय की चरम सीमा है, अपने बेटे अबशालोम के लिए रोता है, लगभग सांत्वना लेने से इनकार करता है जब तक कि योआब नहीं कहता, अगर तुम किसी ऐसे व्यक्ति के लिए इस तरह का पश्चाताप दिखाना जारी रखते हो जो तुम्हारा दुश्मन है और जिसके खिलाफ तुम्हारे लोग लड़ रहे हैं, तो तुम सभी को खो दोगे। और इसलिए, योआब उसे उससे दूर करता है।

वे यरूशलेम वापस जाते हैं, लेकिन बात यह है: हमें यह काम काफी जल्दी करना होगा। जैसा कि आप अगले तीन अध्यायों में पढ़ते हैं, राज्य में दरारें बढ़ती जा रही हैं। बेंजामिन के गोत्र से किसी की ओर से विद्रोह हो रहा है।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, यह बेंजामिन जनजाति है। और उत्तर की ओर की जनजातियों से विद्रोह है। यहाँ हालात तनावपूर्ण हैं।

और इसी प्रकाश में, हम अपनी आखिरी घटना को देखते हैं। 2 शमूएल के अध्याय 24 में लिखा है, परमेश्वर ने दाऊद को इस्राएलियों की गिनती करने के लिए उकसाया क्योंकि वह उससे

नाराज़ था। दिलचस्प बात यह है कि जब आप अध्याय 21 में समानांतर इतिहास पढ़ते हैं, तो यह कहता है, शैतान ने दाऊद को गिनती करने के लिए उकसाया।

तो, परमेश्वर शैतान का इस्तेमाल कर रहा है। शैतान के इतिहास की पुस्तक में आने के कई कारण हो सकते हैं। हमारे पास अभी ऐसा करने का समय नहीं है।

हमारा बड़ा सवाल यह है कि प्रभु इस्राएलियों से क्यों नाराज़ हैं? मैं सुझाव देता हूँ कि इस मामले में आपकी बुद्धि का इस्तेमाल करने के बजाय, वह स्पष्ट रूप से देखता है कि इस्राएली दाऊद के खिलाफ़ विद्रोह, परमेश्वर के चुने हुए व्यक्ति के रूप में दाऊद के खिलाफ़ विद्रोह और दाऊद के राजवंश के संदर्भ में क्या कर रहे हैं। और यह उन चीज़ों के लिए सज़ा होगी जो सामने आ रही हैं और उन विद्रोह की चीज़ें जो उन अध्यायों में भड़कने लगी हैं जिनका मैंने अभी उल्लेख किया है। इसलिए, दाऊद आगे बढ़ता है और उन्हें गिनता है और ऐसा करना गलत है।

योआब को पता है कि ऐसा करना गलत है, लेकिन योआब आगे बढ़ता है और ऐसा करता है। गाद आता है और कहता है, यह गलत काम है। और गाद उसे डांटता है, उसका सामना करता है, और कहता है, तुम्हारे पास तीन विकल्प हैं।

और मैं उन तीन विकल्पों तक पहुँचने की कोशिश कर रहा हूँ ताकि मैं उन्हें आपको पढ़कर सुना सकूँ। दाऊद कहता है, मैंने बहुत बड़ा पाप किया है। गाद कहता है, क्या तुम तीन साल का अकाल चाहते हो? क्या तुम अपने दुश्मनों से तीन महीने भागना चाहते हो या तीन दिन की महामारी? और दाऊद, बेशक, कहता है, मुझे खुद भगवान के हाथों पीड़ित होने दो।

तीन दिनों तक महामारी एक विनाशकारी देवदूत के हाथों फैलती है। जब उस देवदूत को रोका जाता है, तो यह अरौना के खलिहान में होता है। मुझे दो बातें कहने की ज़रूरत है और फिर हम यहीं रुकेंगे।

दाऊद इस खलिहान और बलि को यबूसी अरौना नामक व्यक्ति से खरीदेगा। और हम बाद में इतिहास को पढ़कर सीखते हैं कि यह वही स्थान है जहाँ मंदिर बनाया गया है। और इसलिए वहाँ एक महत्वपूर्ण निरंतरता होने जा रही है।

दूसरी बात जो हमें कहने की ज़रूरत है और फिर मैं तुम्हें जाने दूँगा। डेविड यहाँ कहेगा क्योंकि अरौना उसे खलिहान देने जा रहा है। अरौना ने भी स्वर्गदूत को देखा है और वह मौत से डर गया है।

वह उसे खलिहान में ले जाने वाला है। और दाऊद कहता है, क्या मैं यहोवा को ऐसे बलिदान चढ़ाऊँ, जिनमें मुझे कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ा? और, बेशक, यही सिद्धांत है। बलिदान बलिदान ही होते हैं, क्योंकि उनमें हमें कुछ खर्च करना पड़ता है।

और इसलिए, दाऊद ने अच्छी कीमत चुकाई, बलिदान चढ़ाया। और फिर, यह मंदिर के निर्माण के लिए मंच तैयार करता है, जो सुलैमान के अधीन होगा। हम सोमवार को एक ब्रेक लेंगे और भजन गाएँगे, लेकिन हम अभी एक ब्रेक लेने जा रहे हैं।

शब्बत शालोम। आपका सप्ताहांत अच्छा हो।